2023

HINDI

(Modern Indian Language)

Paper : HIN-CC-3016

(हिन्दी काव्यधारा)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) कबीरदास किस काव्यधारा के कवि हैं?

(ख) शंकरदेव का जन्म कब हुआ था?

(ग) 'बरगीत' शब्द का अर्थ क्या है?

(घ) सूरदास के पदों में किस रस की प्रधानता पाई जाती है?

(ङ) मीराँबाई की भक्ति का मूल आधार क्या है?

(च) 'कृष्णगीतावली' किसकी रचना है?

(छ) माखनलाल चतुर्वेदी के किसी एक काव्य-संग्रह का नामोल्लेख कीजिए।

(ज) सुमित्रानंदन पंत को किस काव्य-कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था?

(झ) महादेवी वर्मा की प्रथम कविता कौन-सी है?

(ञ) 'आत्म-परिचय' कविता में कवि संसार को क्या संदेश देना चाहते हैं?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) बरगीतों की विषयवस्तु क्या है?

(ख) मीराँ ने अपने आराध्य कृष्ण के सौन्दर्य का वर्णन किस प्रकार किया है?

(ग) सुमित्रानंदन पंत को 'हिन्दी का वड्‌र्सवर्थ' क्यों कहा जाता है?

(घ) 'पुष्प की अभिलाषा' कविता का केन्द्रीय भाव क्या है?

(ङ) 'आत्म-परिचय' कविता में कवि ने संसार और अपने बीच किस भिन्नता की ओर संकेत किया है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) दोस पराये देखि करि, चला हसन्त हसन्त,
अपने याद न आवई, जिनका आदि न अंत।
—इस दोहे के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

(ख) 'गोकुल लीला' में सूरदास ने अपने आराध्य श्रीकृष्ण का वर्णन किस प्रकार किया है?

(ग) तुलसीदास ने अपने मन की तुलना 'चातक' और 'बाज' से क्यों की है?

(घ) मीराँ का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ङ) "कुछ करने में अब हाथ लगा है, मेरा,
वन में ही तो गार्हस्थ्य जगा है मेरा।"
—का भाव स्पष्ट कीजिए।

(च) 'प्रज्वलित वह्नि' कविता का भावार्थ लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"संत न छाड़ै संतई, जो कोटिक मिलै असंत।
चंदन भुवंगा बैठिया, तऊ सीतलता न तजंत।"

अथवा

"सोभित कर नवनीत लिए।
घुटुरुवनि चलत रेनु तन-मंडित, मुख दधि लेप किये।
चारु कपोल, लोल लोचन, गोरोचन-तिलक दिये।
लट-लटकनि मनु मत्त मधुप-गन मादक मधुहिं पिये।"

(ख) शंकरदेव अपने आराध्य से क्या निवेदन कर रहे हैं? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'चित्रकूट में सीता' शीर्षक काव्यांश के आधार पर सीता के मनोभाव का वर्णन कीजिए।

(ग) 'पतझर' शीर्षक कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सम्राट अशोक के मन में किन चिन्ताओं का उदय हुआ था?

(घ) 'तोड़ती पत्थर' कविता के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'आत्म-परिचय' कविता का सारांश लिखिए।

★★★